



जैव रसायन विभाग
Department of Biochemistry

वार्षिक गतिविधियाँ (2024-2025)

Annual Activities (2024-2025)

कार्यशाला/संगोष्ठी/सेमिनार/व्याख्यान आयोजित
Workshop/Symposium/Seminars/Lectures organized

1. जैव रसायन विभाग ने 06.09.2024 को पीसीओएस जागरूकता माह के उपलक्ष्य में “पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम को डिकोड करना” पर एक वार्ता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पीसीओएस, इसके लक्षण, निदान और प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। डॉ. शालिनी चावला खन्ना, एसोसिएट डायरेक्टर-आईवीएफ और लैप्रोस्कोपी, मैक्स हॉस्पिटल, दिल्ली-एनसीआर ने वार्ता की। अपोलो हॉस्पिटल और डाइट काउंसलिंग के सहयोग से एक मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर भी उपस्थित लोगों के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को उपस्थित लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने जानकारीपूर्ण वार्ता और व्यापक स्वास्थ्य जांच की सराहना की। इस कार्यक्रम ने पीसीओएस और इसके प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद की।

Department of Biochemistry organized a talk “Decoding Polycystic Ovarian Syndrome” to mark the PCOS awareness month on 06.09.2024. <http://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2024/09/PCOS.pdf>. The event aimed to raise awareness about PCOS, its symptoms, diagnosis, and management. Dr Shalini Chawla Khanna, Associate Director-IVF & Laparoscopy, Max Hospital, Delhi-NCR delivered the talk. A free health checkup camp in collaboration with Apollo Hospital and Diet counselling was also conducted for attendees. The event received positive feedback from attendees, who appreciated the informative talk and comprehensive health checkup. The event helped raise awareness about PCOS and its management, empowering attendees to take proactive steps towards their health.



- माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहयोग से, 14.11.2024 को “जीएन रामचंद्रन का जीवन और कार्य: कोलेजन ट्रिपल हेलिक्स, रामचंद्रन प्लॉट और उससे आगे” पर वार्ता सत्रा, प्रो. नील सरोवर भावेश, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, सम्मानित वक्ता थे।

In collaboration with the department of Microbiology, Talk session on “Life and work of GN Ramachandran: Collagen Triple Helix, Ramachandran Plot and Beyond” on 14.11.2024. <https://ihe.du.ac.in/department-of-microbiology-and-biochemistry-presents-a-series-of-events-and-a-talk-on-life-and-work-of-g-n-ramachandran-on-15th-november-2024/> Prof. Neel Sarovar Bhavesh, International Center for Genetic Engineering and Biotechnology, New Delhi, were the esteemed speaker.

Institute of Home Economics (University of Delhi) Department of Microbiology & Department of Biochemistry (Under the aegis of IQAC) In collaboration with Indraprastha Vigyan Bharati		INSTITUTE OF HOME ECONOMICS (University of Delhi) DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY And DEPARTMENT OF BIOCHEMISTRY (Under the aegis of IQAC) In Collaboration with INDRAPRASTHA VIGYAN BHARATI Jointly Organize	
14th November 2024 Organizes		1 TALK SESSION “Life and work of G N Ramachandran: Collagen Triple Helix, Ramachandran Plot and Beyond” By Prof. Neel Sarovar Bhavesh, ICGB	
2 MOOD BOARD COMPETITION The Tribulations and Triumphs of G N Ramachandran 11:00 am onwards		2 A Talk on the “Life and work of G N Ramachandran: Collagen Triple Helix, Ramachandran Plot and Beyond”. Date : 14th November 2024	
3 RANGOLI COMPETITION Rangoli competition based on Ramachandran plot 9:00 am onwards		3 Time : 9:00 AM Onwards	
4 QUIZ COMPETITION: ATOMIC CONNECTIONS Open house quiz on Ramachandran plot		4 Venue : Conference Room	
PATRON PROF. (DR.) RADHIKA BAKSHI DIRECTOR, IHE		PATRON PROF. (DR.) RADHIKA BAKSHI DIRECTOR, IHE	
ORGANIZING COMMITTEE FACULTY OF DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY AND DEPARTMENT OF BIOCHEMISTRY AND STUDENT UNION - MICROCOSMOS & ANVESHAN		ORGANIZING COMMITTEE FACULTY OF DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY AND DEPARTMENT OF BIOCHEMISTRY AND STUDENT UNION - MICROCOSMOS & ANVESHAN	

- जैव रसायन विभाग द्वारा चिन्मय युवा केंद्र के सहयोग से "भावनात्मक परिवर्तन" पर एक कार्यशाला का आयोजन 30-31.01.2025 को किया गया ताकि प्रतिभागियों को अपनी भावनाओं को प्रभावी ढंग से समझने और प्रबंधित करने में मदद मिल सके। कार्यशाला में भावनात्मक जागरूकता, लचीलापन

और सचेतनता जैसे विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को अपनी भावनात्मक भलाई को बदलने के लिए सशक्त बनाया और उन्हें एक अधिक संतुलित जीवन के लिए मूल्यवान उपकरण प्रदान किए।

A workshop on "Emotional Transformation" was organized by department of biochemistry in collaboration with Chinmaya Yuva Kendra to help participants understand and manage their emotions effectively on 30-31.01.2025. <http://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2025/01/Emotional-Transformation.pdf> The workshop covered topics such as emotional awareness, resilience, and mindfulness. The workshop empowered participants to transform their emotional well-being, equipping them with valuable tools for a more balanced life.



4. जैव रसायन विभाग 04.03.2025 को मधुमेह से जुड़ी संवहनी जटिलताओं में नवीनतम शोध और नैदानिक अंतर्दृष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए "मधुमेह संवहनी जटिलताओं" पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेगा।, प्रसिद्ध विशेषज्ञ प्रो. अमिता गुप्ता, प्रमुख, जैव रसायन विभाग दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय; डॉ. राजेश खड्गावत, प्रोफेसर, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली; डॉ. निशांत रायजादा, प्रोफेसर और प्रमुख, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल, नई दिल्ली ने मधुमेह संवहनी जटिलताओं के पैथोफिजियोलॉजी, रोकथाम और प्रबंधन सहित विषयों पर प्रस्तुति दी।

Department of Biochemistry organize a symposium on “Diabetic Vascular Complications”, focusing on the latest research and clinical insights into the vascular complications associated with diabetes on 04.03.2025. <https://ihe.du.ac.in/department-of-biochemistry-presents-a-symposium-on-diabetes-on-4th-march-2025/> Renowned experts Prof. Amita Gupta, Head, Department of Biochemistry South Campus, University of Delhi; Dr. Rajesh Khadgawat, Professor, Department of Endocrinology, AIIMS, New Delhi; Dr. Nishant Raizada, Professor & Head, Department of Endocrinology, UCMS & GTB Hospital, New Delhi presented on topics including pathophysiology, prevention, and management of diabetic vascular complications. The symposium provided a valuable platform for knowledge exchange, highlighting the importance of multidisciplinary approaches to addressing diabetic vascular complications.



5. विभाग ने प्रतिभागियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-जागरूकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने के लिए "सोल स्कूल" के सहयोग से 05.05.2025 को "माइंड मीट्स मूड" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, कार्यशाला में इंटरैक्टिव सत्र, समूह चर्चा और व्यावहारिक गतिविधियाँ शामिल थीं। डॉ. मनीषा कुमारी, सोल स्कूल ने संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

Department organized a workshop on "Mind Meets Mood" in collaboration with "Soul School" to promote mental well-being, self-awareness, and emotional intelligence among participants on 05.05.2025.

<https://ihe.du.ac.in/departments-of-biochemistry-presents-a-workshop-on-mind-meets-mood-in-collaboration-with-soul-school-on-5th-may-2025-at-11am/> The workshop included interactive sessions, group discussions, and hands-on activities. Dr Manisha Kumari, Soul School participated as resource person.



6. गृह अर्थशास्त्र संस्थान के जैव रसायन विभाग ने IQAC के सहयोग से 16-20 जून, 2025 तक "शोध पद्धति" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्रों ने शोध पद्धति की अवधारणाओं की गहन समझ प्राप्त की, जिसमें शोध डिजाइन, नमूनाकरण, डेटा संग्रह और विश्लेषण शामिल हैं। कार्यशाला ने सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक शोध कौशल के बीच की खाई को सफलतापूर्वक पाट दिया। इस कार्यक्रम ने एक मूल्यवान शिक्षण अनुभव प्रदान किया, जिससे छात्रों को आत्मविश्वास के साथ शोध परियोजनाएं करने के लिए सशक्त बनाया गया। शिवाजी कॉलेज की

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनीता सिंह ने शोध की अवधारणा के परिचय के साथ शुरुआत की, जिसमें इसके विभिन्न प्रकारों जैसे गुणात्मक, मात्रात्मक, अनुप्रयुक्त और बुनियादी शोध पर प्रकाश डाला गया, प्रो. ज्योति अग्रवाल, आईएचई ने शोध में प्रतिचयन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, संभाव्यता और असंभाव्यता प्रतिचयन के विभिन्न तरीकों की व्याख्या की और उपयुक्त प्रतिचयन आकार का निर्धारण किया। सर्वेक्षणों, साक्षात्कारों और अवलोकनों पर विशेष ध्यान देते हुए, गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों डेटा संग्रह विधियों का अवलोकन प्रदान किया गया। डॉ. वंदना सभरवाल, सहायक प्रोफेसर, आईएचई ने स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और मापनीय उद्देश्यों को तैयार करने के तरीके बताकर शोध नियोजन के मूलभूत तत्वों पर ध्यान केंद्रित किया। प्रतिभागियों को गुणात्मक और मात्रात्मक शोध दृष्टिकोणों के बीच अंतर से भी परिचित कराया गया, साथ ही वर्णात्मक, प्रयोगात्मक और मिश्रित विधियों सहित विभिन्न शोध डिजाइनों का अवलोकन भी कराया गया, जिससे उन्हें अपने शोध कार्य के लिए उपयुक्त कार्यप्रणाली चुनने में मदद मिली। डॉ. भूपेंद्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने प्रतिभागियों को आवश्यक सांख्यिकीय उपकरणों जैसे माध्य, माध्यिका, बहुलक, सहसंबंध और समाश्रयण से परिचित कराया, साथ ही डेटा विश्लेषण के लिए एक्सेल और एसपीएसएस के उपयोग की मूल बातें भी बताईं। उन्होंने डेटा से सार्थक निष्कर्ष निकालने के लिए सांख्यिकीय आउटपुट की व्याख्या पर जोर दिया। प्रो. मिला तुली, आईएचई ने शोध डिजाइन और कार्यान्वयन में प्रमुख नैतिक पहलुओं पर प्रकाश डाला और सूचित सहमति, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। इस पहल ने अच्छे शोध प्रथाओं की गहरी समझ को बढ़ावा दिया, जिसका उद्देश्य उपस्थित लोगों को अपने-अपने क्षेत्रों में पद्धतिगत रूप से सुदृढ़ और नैतिक रूप से जिम्मेदार शोध परियोजनाएँ करने के लिए सशक्त बनाना था।

Department of Biochemistry, Institute Home Economics in collaboration with IQAC **organized a workshop on "Research Methodology"** from June 16-20, 2025. <http://ihe.du.ac.in/wp-content/uploads/2025/06/RM-workshop.pdf> The workshop attended by 90 participants. Students gained a thorough understanding of research methodology concepts, including research design, sampling, data collection, and analysis. The workshop successfully bridged the gap between theoretical knowledge and practical research skills. The event provided a valuable learning experience, empowering students to conduct research projects with confidence. **Dr Sunita Singh, Associate Professor, Shivaji College** began with an introduction to the concept of research, highlighting its various types such as qualitative, quantitative, applied, and basic research. Participants were guided on how to identify relevant research topics by exploring existing gaps in the literature and were encouraged to develop clear, researchable questions. **Prof. Jyoti Aggarwal, IHE** highlighted the crucial role of sampling in research, explaining various methods for probability and non-probability sampling and determining appropriate sample size. An overview of both qualitative and quantitative data collection methods was provided, with a particular focus on surveys, interviews, and observations. **Dr. Vandana Sabharwal, Assistant Professor, IHE** focused on the foundational elements of research planning by explaining how to set clear aims and formulate measurable objectives. Participants were also introduced to the differences between qualitative and quantitative research approaches, along with an overview of various research designs including descriptive, experimental, and mixed methods, helping them choose appropriate methodologies for their research work. **Dr. Bhupender Kumar, Assistant Professor, Swami Shraddhanand College** introduced participants to essential statistical tools such as mean, median, mode, correlation, and regression, along with the basics of using Excel and SPSS for data analysis. It emphasized the interpretation of statistical outputs to draw meaningful conclusions from data. **Prof. Mila Tuli, IHE** explored key ethical considerations in research design and implementation, emphasizing the importance of informed consent, privacy, and data protection. The initiative fostered a deeper understanding of good research practices, aiming to empower attendees to undertake methodologically sound and ethically responsible research projects in their respective fields.



अतिरिक्त लघु अवधि प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन

Add-on short term certificate course organized

बायोकेमिस्ट्री विभाग ने 3 से 10 जून 2025 तक "क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री का परिचय" विषय पर एक अतिरिक्त 32 घंटे का लघु अवधि प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री के मूलभूत सिद्धांतों और अनुप्रयोगों की व्यापक समझ प्रदान करना था। इस पाठ्यक्रम में एमएससी बायोकेमिस्ट्री (डीपीजी कॉलेज, गुरुग्राम), एमएससी डीएफएसएम (इग्नू), एमएससी फूड एंड न्यूट्रिशन (एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा, आईएचई), बीएससी बायोकेमिस्ट्री (शिवाजी कॉलेज, एसआरसीएसडब्ल्यू), बीएससी लाइफ साइंस (शिवाजी कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज), बीएससी बायोटेक्नोलॉजी (आईएमएआर ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, गाजियाबाद, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी), बीएससी माइक्रोबायोलॉजी (आईएचई) सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। हमें सौभाग्य मिला कि विशेषज्ञ संसाधन व्यक्तियों ने व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों के साथ अपना ज्ञान साझा किया। इसमें प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विभिन्न ऑनलाइन सत्र शामिल थे, जिनमें डॉ अर्चना सिंह, प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा "बायोमार्कर का परिचय" शामिल था; डॉ सुमन लता, वैज्ञानिक II, हेमटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा "रक्त प्रोफाइल / हेमटोलॉजी को समझना"; डॉ रुचि कुमारी, बायोमेडिकल साइंसेज में व्याख्याता, ग्लासगो विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड, यूनाइटेड किंगडम द्वारा "कैंसर बायोमार्कर और भविष्य की चिकित्सा"; डॉ स्तुति गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार और गुणवत्ता प्रबंधक, प्रयोगशाला चिकित्सा, वेंकटेश्वर अस्पताल द्वारा "क्लिनिकल प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता आश्वासन"; डॉ अश्विनी कुमार, सहायक प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा "क्लिनिकल प्रथाओं में एलिसा और स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के नैदानिक अनुप्रयोग"; डॉ मिस्सी वासन, बायोमेडिकल साइंसेज विभाग, एसआरसीएसडब्ल्यू, डीयू द्वारा "रीनल बायोमार्कर"; डॉ कोहिनूर कौर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, आईएचई द्वारा "आणविक निदान: रोग जांच और उपचार में क्रांतिकारी बदलाव", आईएचई के बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर अर्चना बर्मन द्वारा "सीवीडी: जैव रासायनिक मार्कर" आईएचई; डॉ शैली निगम, आईएचई द्वारा "क्लीनिकल प्रथाओं में क्रोमेटोग्राफी और माइक्रोस्कोप के नैदानिक अनुप्रयोग"; डॉ तरुणा अरोड़ा द्वारा "हेपेटिक बायोमार्कर"; आईएचई डॉ सविता बंसल, आईएचई द्वारा "मधुमेह: जैव रासायनिक मार्कर"; डॉ मीनाक्षी वच्छेर, आईएचई द्वारा "डायग्नोस्टिक बायोमार्कर: प्रतिभागियों को प्रत्येक सत्र में ऑनलाइन प्रस्तुतियाँ और प्रश्नोत्तरी दी गई। इसके बाद, बायोकेमिस्ट्री विभाग में डॉ. नलिनी मोजा वली, डॉ. संदीप यादव, डॉ. तरुणा अरोड़ा, डॉ. सविता बंसल और डॉ. मीनाक्षी वच्छेर के मार्गदर्शन में ऑफलाइन प्रदर्शन और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने बहुत सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिक्रिया दी, और प्रतिभागियों ने और अधिक दिनों और आगामी श्रृंखलाओं की इच्छा व्यक्त की।

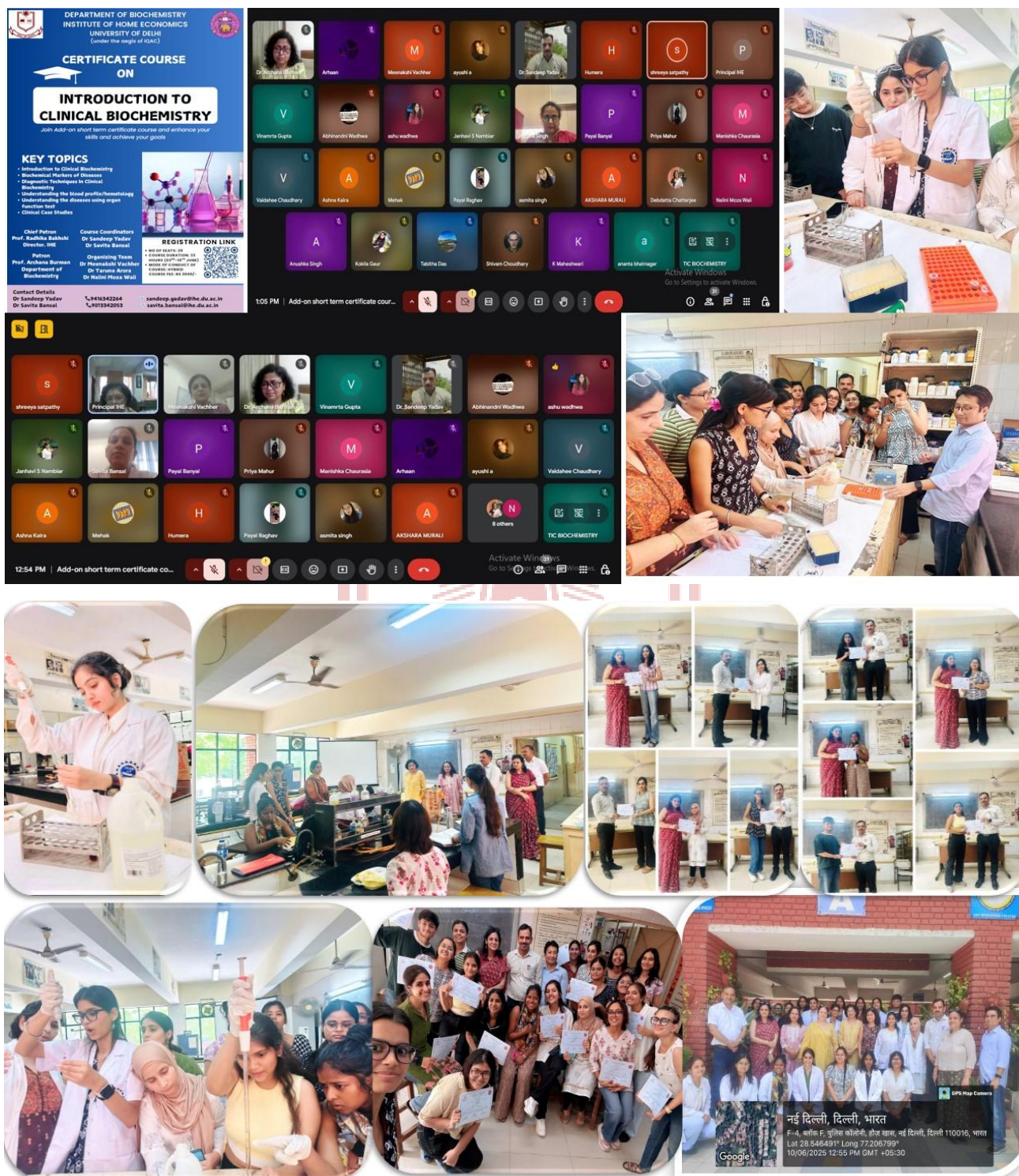
प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम की विषयवस्तु, प्रस्तुति और आयोजन के लिए आभार और प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने पाठ्यक्रम को जानकारीपूर्ण, रोचक और अपनी रुचियों के अनुरूप पाया। "क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री का परिचय" विषय पर अतिरिक्त अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम बेहद सफल रहा। इसने प्रतिभागियों को क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री और उसके अनुप्रयोगों में एक ठोस आधार प्रदान किया।

The Department of Biochemistry successfully organized an add-on 32 hours short-term certificate course on "Introduction to Clinical Biochemistry" from 3rd-10th June 2025 ([Web-link](#)). The course aimed to provide participants with a comprehensive understanding of the fundamental principles and applications of clinical biochemistry. This course was attended by 25 participants including MSc

Biochemistry (DPG College, Gurugram), MSc DFSM (IGNOU), MSc Food and Nutrition (Amity University Noida, IHE), BSc Biochemistry (Shivaji College, SRCASW), BSc Life Science (Shivaji College, Maitreyi College), BSc Biotechnology (IAMR group of Colleges, Ghaziabad, Jamia Hamdard University), BSc Microbiology (IHE). We were fortunate to have expert resource persons deliver lectures and share their knowledge with the participants.

It included various online sessions by eminent speakers including “Introduction to biomarkers” by Dr Archana Singh, Professor, Department of Biochemistry, AIIMS, New Delhi; “Understanding Blood Profile/Hematology” by Dr Suman Lata, Scientist II, Department of Hematology, AIIMS, New Delhi; “Cancer biomarkers and future therapies” by Dr Ruchi Kumari, Lecturer in Biomedical Sciences, University of Glasgow, Glasgow, Scotland, United Kingdom; “Quality Assurance in Clinical Laboratories” by Dr Stuti Gupta, Senior Consultant & Quality Manager, Laboratory Medicine, Venkateshwar Hospital, “Diagnostic Applications of ELISA and Spectrophotometer in Clinical Practices” by Dr Ashwani Kumar, Assistant Professor, Department of Biotechnology, Chaudhary Bansi Lal University, Haryana, “Diagnostic Applications of PCR and Gel Electrophoresis in Clinical Practices” by Dr. Manisha Marothia, Project Research Scientist-I, Department of Plastic, Reconstructive and Burn Surgery, AIIMS, New Delhi; “Renal Biomarkers” by Dr. Missi Wason, Department of Biomedical Sciences, SRCASW, DU; “Molecular Diagnostics: Revolutionizing Disease Detection and Treatment”, by Dr Kohinoor Kaur, Department of Microbiology, IHE, “CVD: Biochemical markers” by Prof. Archana Burman, Department of Biochemistry, IHE; “Diagnostic Applications of Chromatography and Microscopes in Clinical Practices” by Dr Shailly Nigam, IHE; “Hepatic biomarkers” by Dr Taruna Arora, IHE “Diabetes: Biochemical Markers” by Dr Savita Bansal, IHE; “Diagnostic Biomarkers: Understanding DLC, TLC and Red cell counts” by Dr Meenakshi Vachher, IHE and “Diagnostic Biomarkers: Understanding Hb, Red Cell Indices, ESR, PCV and CRP” by Dr Sandeep Yadav, IHE. Participants were given online presentations along with quiz on each session. This was followed by offline demonstrations and hands on session in the department of Biochemistry guided by Dr Nalini Moza Wali, Dr Sandeep Yadav, Dr Taruna Arora, Dr Savita Bansal, and Dr Meenakshi Vachher. Participants gave a very positive and encouraging feedback, with participants wanting more no. of days and subsequent series.

The participants expressed gratitude and appreciation for the course content, delivery, and organization. They found the course to be informative, engaging, and relevant to their interests. The add-on short-term certificate course on "Introduction to Clinical Biochemistry" was a resounding success. It provided participants with a solid foundation in clinical biochemistry and its applications.



आउटरीच गतिविधियों का आयोजन

Outreach activities organized

जैव रसायन विभाग ने अपने सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में "जैव अणुओं का जैव रासायनिक विश्लेषण" पर एक व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य पोषण जैव रसायन के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इसमें लक्ष्मीबाई और विवेकानंद कॉलेज के बीएससी (ऑनर्स) गृह विज्ञान के 21 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में व्याख्यान, व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र और अपचायक शर्करा, अपचायक शर्करा, कैल्शियम आयन और न्यूक्लिक अम्लों के आकलन हेतु विभिन्न जैव रासायनिक विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा शामिल थी। व्यावहारिक सत्र का मार्गदर्शन डॉ. संदीप यादव, डॉ. मोनाक्षी वच्छेर, डॉ. तौना अरोड़ा और डॉ. सविता बंसल, जैव रसायन विभाग, आईएचई द्वारा किया गया। कार्यशाला को प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने व्यावहारिक प्रशिक्षण और संवादात्मक सत्रों की सराहना की। कार्यशाला ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त किया और प्रतिभागियों को जैवरसायनिक विश्लेषण में उन्नत कौशल और ज्ञान प्रदान किया।

The Department of Biochemistry organized a hands-on workshop on "Biochemical Analysis of Biomolecules" as a part of its community outreach program. <https://ihe.du.ac.in/departement-of-biochemistry->

The workshop aimed to provide practical training in the field of nutritional biochemistry. It was attended by 21 students of BSc (H) Home Science Students of Lakshmibai and Vivekananda College. The program included lectures, hands-on training sessions, and discussions on various biochemical analysis techniques for the estimation of reducing sugars, non-reducing sugars, calcium ions and nucleic acids. The hands-on session were guided by Dr Sandeep Yadav, Dr Meenakshi Vachher, Dr Tauna Arora and Dr Savita Bansal, Faculty Department of Biochemistry, IHE. The workshop received positive feedback from participants, who appreciated the hands-on training and interactive sessions. The workshop achieved its objectives, providing participants with enhanced skills and knowledge in biochemical analysis

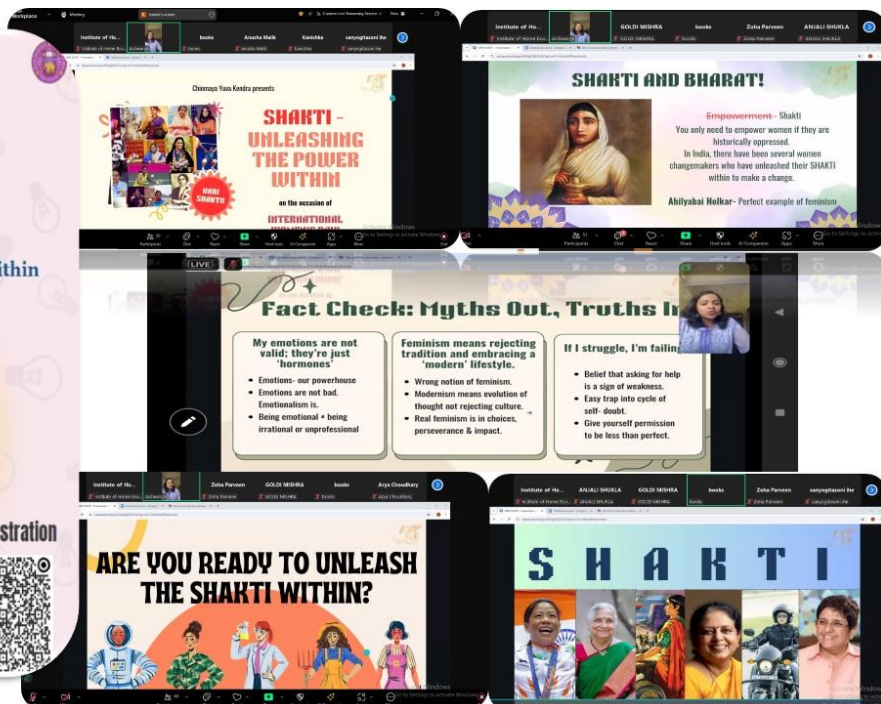
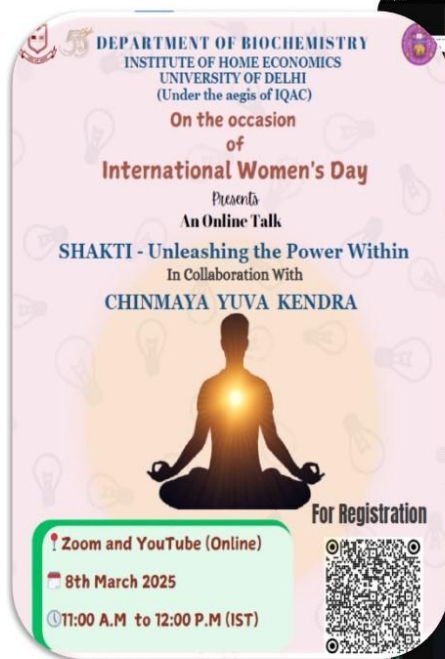


मनाए गए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस/त्योहार

National and International Days/Festivals Celebrated

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, जैव रसायन विभाग ने चिन्मय युवा केंद्र के सहयोग से 8 मार्च 2025 को "शक्ति - भीतर की शक्ति को उजागर करना" विषय पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। <https://ihe.du.ac.in/under-the-aegis-of-iqac-on-the-occasion-of-international-womens-day-presents-an-online-talk-shakti-unleashing-the-power-within-in-collaboration-with-chinmaya-yuva-kendra/> इस वार्ता का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और आत्म-खोज को बढ़ावा देना था। मुख्य विषयों में आंतरिक शक्ति को समझना, बाधाओं पर विजय प्राप्त करना और आत्मविश्वास का निर्माण करना शामिल था। वक्ता ने प्रेरक कहानियाँ और व्यावहारिक सलाह साझा कीं और प्रतिभागियों को एक संवादात्मक सत्र में शामिल किया। इस कार्यक्रम को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और उपस्थित लोगों ने सशक्तीकरण संदेश की सराहना की।

On the occasion of International Women's Day department of biochemistry, in collaboration with Chinmaya Yuva Kendra, organized an online talk on "SHAKTI - Unleashing the Power Within" on 8th March 2025. <https://ihe.du.ac.in/under-the-aegis-of-iqac-on-the-occasion-of-international-womens-day-presents-an-online-talk-shakti-unleashing-the-power-within-in-collaboration-with-chinmaya-yuva-kendra/> The talk aimed to empower women and promote self-discovery. Key topics included understanding inner strength, overcoming obstacles, and building confidence. The speaker shared inspiring stories and practical advice, engaging participants in an interactive session. The event received positive feedback, with attendees appreciating the empowering message.



आयोजित प्रतियोगिताएँ Competitions Organized

1. जी एन रामचंद्रन के कष्टों और विजयों पर मूड बोर्ड प्रतियोगिता, रामचंद्रन कथानक पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, दिनांक 14.11.2024
1. Mood board Competition on the tribulations and triumphs of G N Ramachandran, Rangoli Competition and Quiz Competition based on Ramchandran Plot on 14.11.2024

Institute of Home Economics
 (University of Delhi)
 Department of Microbiology
 &
 Department of Biochemistry
 (Under the aegis of IQAC)
 In collaboration with
 Indraprastha Vigyan Bharati
 Jointly Organise

RANGOLI

COMPETITION

TO REGISTER:

EXCITING PRIZES
ALL PARTICIPANTS WILL GET E-CERTIFICATE
14 Nov 24 9 AM FOYER
OPEN FOR STUDENTS FROM ALL STREAMS

PATRON
 PROF. (DR.) RADHIKA BAKSHI
 DIRECTOR, IHE

ORGANIZING COMMITTEE
 FACULTY OF DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY
 AND DEPARTMENT OF BIOCHEMISTRY
 AND
 STUDENT UNION - MICROCOSMOS & ANVESHAN

Institute of Home Economics
 (University of Delhi)
 Department of Microbiology & Department of Biochemistry
 (Under the aegis of IQAC)
 In collaboration with
 Indraprastha Vigyan Bharati
 Jointly Organise

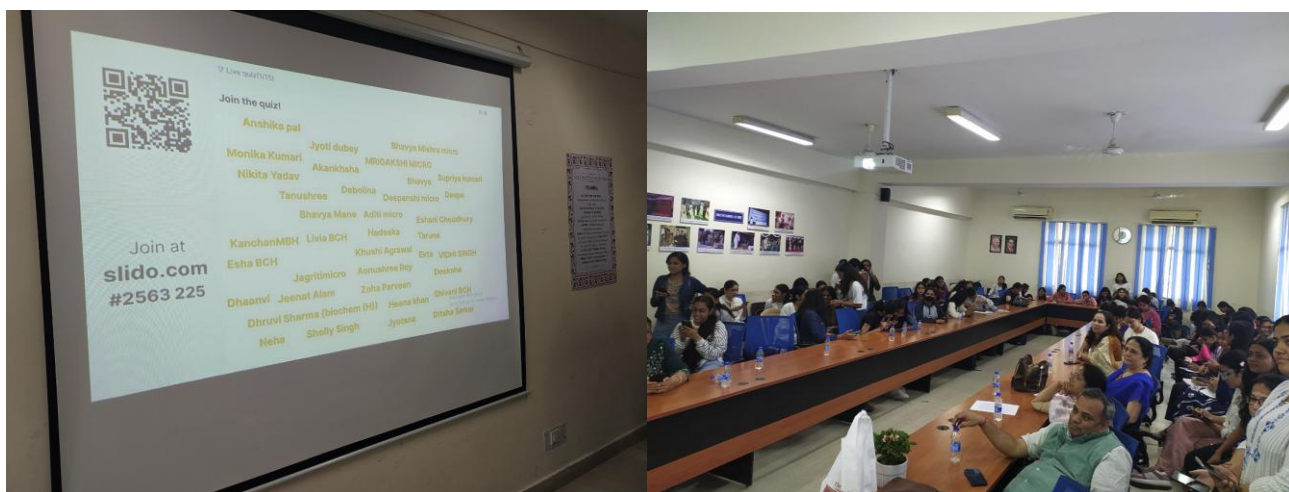
Mood Board Competition
on
THE TRIBULATIONS AND TRIUMPHS OF
G N RAMACHANDRAN

14 NOV, 2024
CONFERENCE ROOM
11:00 am onwards

1. Prepare a mood board on **The Tribulations and Triumphs of G N Ramachandran**.
2. Submit your mood board via Google Form before **12th Nov 2024**.
3. Top 3 entries will be selected for the final presentation.
4. Presentation should be for **4-5 minutes maximum**. No extra time will be provided.
5. Selected participants must be carrying the hardcopy of their **Mood Board (Size-A4)**.
6. Participants are requested to reach the venue by **10:00 am**.
7. The competition will start by **11:00 am**.
8. All participants will receive an E-certificate.
9. Plagiarism will lead to disqualification.

PATRON
 PROF. (DR.) RADHIKA BAKSHI
 DIRECTOR, IHE

ORGANIZING COMMITTEE
 FACULTY OF DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY
 AND DEPARTMENT OF BIOCHEMISTRY
 AND
 STUDENT UNION - MICROCOSMOS & ANVESHAN



2. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (विषय: मधुमेह); वाद-विवाद प्रतियोगिता (विषय: टाइप 2 मधुमेह प्रतिवर्ती है: पक्ष और विपक्ष) और मूड बोर्ड (विषय: वैश्विक मधुमेह संकट: बाधाओं को तोड़ना और अंतरालों को पाटना) दिनांक 04.03.2025

Quiz competition (Theme: Diabetes); Debate Competition (Theme: Type 2 Diabetes Mellitus Is reversible: For and against) and Mood Board (Theme: Global Diabetes Crisis: Breaking Barriers & Bridging Gaps) on 04.03.2025



शैक्षिक/क्षेत्रीय भ्रमण

Educational /Field Visits

1. 13 फरवरी, 2025 को, बीएससी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्री सेमेस्टर VI के छात्रों ने डॉ. संदीप यादव और डॉ. तरुणा अरोड़ा के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर के बायोकेमिस्ट्री विभाग का दौरा किया। इस भ्रमण से उन्हें उन्नत शोध सुविधाओं और शैक्षणिक वातावरण का अनुभव प्राप्त हुआ। छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की, प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया और शोध के अवसरों एवं करियर की संभावनाओं पर चर्चा की। यह भ्रमण ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, जिससे उन्हें बायोकेमिस्ट्री में उच्च अध्ययन और शोध के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिली।

On February 13, 2025, BSc (Hons) Biochemistry Semester VI students visited the Department of Biochemistry, University of Delhi South Campus along with Dr Sandeep Yadav and Dr Taruna Arora. The visit provided exposure to advanced research facilities and academic environment. Students interacted with faculty members, explored laboratories, and discussed research opportunities and career prospects. The visit was informative and inspiring, offering valuable insights into higher studies and research in biochemistry.



2. 18 मार्च, 2025 को, बीएससी (ऑनर्स) बायोकेमिस्ट्री के छात्रों ने डॉ. नलिनी मोजा वली के साथ राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान(NII) का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रतिरक्षा विज्ञान अनुसंधान की जानकारी प्राप्त की और अनुसंधान के पहलुओं पर जोर दिया।

On March 18, 2025, BSc (Hons) Biochemistry students along with Dr Nalini Moza Wali visited National Institute of Immunology (NII), gaining insights into cutting-edge immunological research and exploring research facilities. The visit sparked interest in research careers and

advanced studies. The visit provided valuable exposure to research opportunities and inspired students to pursue careers in immunology and related fields.

